राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार
गृह विभाग - पुलिस - II
पांचवा तल, सी विंग, दिल्ली सचिवालय,
नई दिल्ली 110002

अतारांकित प्रश्न संख्या:216
दिनांक 10–08–2017.
प्रश्नकर्ता का नामः सुश्री भावना गौड
क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि :

.	प्रश्न	उत्तर
क.	क्या यह सत्य है कि पालम विधानसभा क्षेत्र में गली--मौहल्लों और सडकों पर, पहले की अपेक्षा, अपराध की घटनाओं में वृद्धि हो रही है;	दिल्ली पुलिस द्वारा पालम विधानसभा क्षेत्र में दर्ज मुकदमों तथा उन पर की गई कार्रवाई का वर्ष 2013 से 2017 (30--06–2017 तक) ब्यौरा परिशिष्ट-- "क" पर संलग्न है ।
ख.	पालम विधान सभा क्षेत्र में वर्ष 2013 से जून, 2017 तक चकोरी, मोबाईल एवं चेन स्नेचिंग, बलात्कार, डकैती एवं हत्या की कितनी घटनायें हुई हैं;	
ग.	अपराधिक घटना में होने वाली वृद्धि को रोकने की दिशा में सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की जा रही है; और	दिल्ली पुलिस द्वारा अपराध को नियंत्रण करने हेतु उठाये जाने वाले कदमों का ब्यौरा पारिशिष्ट– "ख" पर संलग्न है ।
घ.	यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?	

भवदीय,

(ओ.पी.मिश्रा)
अतिरिक्त सचिव (गृह)

परिशिष्ट–'क'

परिशिष्ट-'अ'

पालम विधानसभा क्षेत्र में वर्ष -:तक घटित अपराधो का ब्यौरा निम्न है 2013 से जून 2017

Year	Head	Rep.	Can	Adm	W/o	Ch.	Con	Acq	P.T.	P.I.	Unt	P.A.	Ch.	Con	Acq	P.T.	P.I.	Dis
2013	चकोरी/चोरी	153	3	150	43	38	11	3	24	0	112	79	62	16	7	33	0	23
	मोबाइल स्नेचिंग	9	0	9	5	5	1	2	2	0	4	7	7	2	2	3	0	0
	चैन स्नेचिंग	9	0	9	5	4	0	1	3	0	5	7	6	0	1	5	0	1
	बलात्कार	17	1	16	16	16	0	8	8	0	0	21	21	0	12	9	0	0
	डकेती	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	हत्या	7	0	7	5	5	0	0	5	1	1	10	10	0	0	10	0	0
2014	चकोरी/चोरी	359	4	355	48	32	1	18	23	21	292	67	56	1	22	33	4	7
	मोबाइल स्नेचिंग	20	0	20	5	3	1	0	2	1	16	9	6	3	0	3	1	2
	चैन स्नेचिंग	48	0	48	4	2	1	0	1	0	46	5	3	1	0	2	0	2
	बलात्कार	26	0	26	24	21	1	2	18	5	0	33	30	3	4	23	3	0
	डकेती	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	हत्या	5	0	5	5	5	0	1	4	0	0	15	15	0	2	9	0	4
2015	चकोरी/चोरी	635	24	611	50	49	8	10	31	38	524	82	80	16	15	49	0	8
	मोबाइल स्नेचिंग	14	0	14	2	2	0	0	2	5	7	2	2	0	2	0	0	0
	चैन स्नेचिंग	56	0	56	6	2	0	0	2	10	44	7	6	0	0	6	1	0
	बलात्कार	29	2	27	27	27	0	6	21	0	0	28	28	0	7	21	0	0
	डकेती	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	हत्या	6	0	6	6	5	0	0	5	1	0	7	5	0	0	5	2	0
2016	चकोरी/चोरी	1313	256	1057	183	74	3	5	66	441	542	247	88	3	5	80	107	52
	मोबाइल स्नेचिंग	24	0	24	9	4	0	0	4	8	12	12	4	0	0	4	5	3
	चैन स्नेचिंग	37	0	37	17	3	0	0	3	10	24	15	3	0	0	3	10	2
	बलात्कार	33	1	32	22	19	0	1	18	13	0	22	19	0	1	18	3	0
	डकेती	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	00	0
	हत्या	6	0	6	4	4	0	0	4	2	0	12	12	0	0	12	0	0
2017 (upto 30.06.17)	चकोरी/चोरी	309	107	202	10	2	0	0	2	156	44	15	2	0	0	2	13	0
	मोबाइल स्नेचिंग	9	0	9	2	0	0	0	0	7	2	2	0	0	0	0	2	0
	चैन स्नेचिंग	32	0	32	15	0	0	0	0	28	4	15	0	0	0	0	10	5
	बलात्कार	15	0	15	10	7	0	0	7	8	0	12	8	0	0	8	4	0
	डकेती	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	हत्या	7	0	7	6	4	0	0	4	3	0	12	9	0	0	9	3	0

परिशिष्ट 'ख'

अपराध नियंत्रण हेतु दिल्ली पुलिस द्वारा उठाये जाने वाले कदमों का ब्यौरा निम्न है:-

(ए) स्ट्रीट क्राइम जैसेकि लूटमारी व छीना-झपटी की रोकथाम हेतु रणनीति:-

1. पिकेट्स पर जाँच की सक्रिय व्यवस्था

- एसडीपीओ/सम्बन्धित एसीपी द्वारा आपराधिक घटनाओं का विश्लेषण समय व क्षेत्र के हिसाब से दैनिक आधार पर किया जाता है।
- चिन्हित क्षेत्रों में ऐसे मार्गों की जाँच को सुनिश्चित किया जाता है जहाँ से अपराधियों के भाग निकलने की संभावना रहती है।
- ऐसे स्थानों पर Pickets बनाए जाते हैं जो अपराध संभावित क्षेत्र में आते हों या जहाँ पिछले एक सप्ताह में अपराध की घटनाएं हुई हों तथा Pickets लगाने के लिए स्थानों को इस तरह से चुना जाता है कि अलग-अलग तिथि में अलग-अलग जगह कवर हो सकें।
- इसी तरह, बीच-बीच में Pickets की जगह बदल दी जाती है ताकि उन स्थानों को भी कवर किया जा सके जहाँ पिछले एक सप्ताह में अपराध की घटनाएं हुई हों जहाँ पहले Pickets नहीं लगाई गई हों।
- अपराध की घटनाओं के अलावा, पीसीआर में आने वाली अपराध सम्बन्धित कॉलों के हिसाब से भी यह अंदाजा लगाया जाता है कि किन स्थानों से ऐसी कॉलें आ रही हैं, वहीं पर Pickets को लगाया जाता है।
- Pickets लगाने की सक्रिय व्यवस्था से जाँच में एक नयापन आ जाता है जिससे 'अचानक निरीक्षण' की प्रक्रिया को बल मिलता है।
- उपलब्धता के अनुसार ट्रेफिक व पीसीआर के साथ मिलकर इन Pickets पर एकीकृत जाँच की जाती है।
- मोटर-साइकिल व इमरजेन्सी रिस्पान्स व्हीकल द्वारा चेकिंग के लिए Halting Points बनाए गए हैं।
- दूर-दराज के इलाकों को कवर करने के लिए मोटर-साइकिल गश्त के लिए रूट बनाए गए हैं।
- Picket स्टाफ को एसएचओ व अन्य निरीक्षक द्वारा निर्देश दिए जाते हैं।

2. मोटरसाइकिलों की जांच, चालान व जब्ती:-

- आंकड़े बताते हैं कि लूटमारी व छीना-झपटी के ज्यादातर मामले मोटरसाइकिलों पर ही किये गये हैं।
- ऐसे अपराधियों की रूप-रेखा तैयार करना एक बड़ा काम है, इसीलिए संदिग्ध मोटरसाइकिल सवारों को रोककर जांच की जाती है। जरूरत पड़ने पर वाहनों को जब्त भी कर लिया जाता है।
- यातायात उल्लंघन जैसे कि हेलमेट न पहनना आदि पर चालान भी किया जाता है।
- यदि सब कुछ सही हो तो यह देखा जाता है कि कहीं मोटरसाइकिल सवार के पास कोई हथियार तो नहीं, सब कुछ सही होने पर उन्हें जाने दिया जाता है।

3. अन्य कदमः–

- बीट पेट्रोलिंग सिस्टम पर जोर।
- पुलिस की उपस्थिति व गश्त को बढ़ाना।
- आपराधिक घटनाओं के हिसाब से संवेदनशील स्थानों को चिन्हित करना।
- पुलिस की उपस्थिति को बढ़ाकर तुरंत प्रतिक्रिया समय देना।
- सक्रिय गिरोहों के बारे में जानकारी जुटाना।
- आपराधिक प्रवृति वाले लोगों की निगरानी करना।
- जेल से रिहा होने वाले या जमानत पर बाहर आने वालों पर नजर रखना।
- 'Eyes and Ears Scheme' के तहत अपराध नियंत्रण में जनता का सहयोग लेना।

बी. थानों की कार्यप्रणाली में सुधार

दिल्ली पुलिस का यह प्रयास रहा है कि निगरानी, जांच व सख्त कार्रवाई के माध्यम से थानों की कार्य प्रणाली में सुधार लाया जाए। थानों में निम्न स्तर पर सुधार हुए हैंः–

- शिकायतों का निबटारा।
- लम्बित जांच मामलों का निबटारा।
- जॉच–पड़ताल निपटान।
- केस प्रोपर्टी का निपटान।
- POs के रिकॉर्ड्स को अपडेट करना।
- उनकी गिरफ्तारी के लिए अभियान।
- नई हिस्ट्रीशीट खोलना।
- मौजूदा हिस्ट्रीशीट्स को अपडेट करना।